प्रश्नपत्र 1 : लेखांकन

(PAPER 1 : ACCOUNTING)

भाग I : मई, 2015 की परीक्षा में लागू होने या लागू नहीं होने को दर्शाती उद्घोषणाएँ

(A) मई, 2015 की परीक्षा मे लागू

गैर–निगमीय स्तर II संस्थानों को वर्गीकृत करने के आधार में पुनरीक्षण : हाल ही में कर अंकेक्षण सीमा में वृद्धि सम्बन्धी परिवर्तनों के कारण ICAI परिषद ने गैर–निगमीय स्तर II के संस्थानों में प्रथम आधार को परिवर्तन करने का निर्णय लिया जो कि लघु एवं मध्यम उद्योगों का निर्धारण उनके आवर्त के आधार पर 40 लाख ₹ से 1 करोड़ ₹ द्वारा ICAI द्वारा 7 मार्च, 2013 को जारी उद्घोषणा–''गैर–निगमीय स्तर II के संस्थानों को वर्गीकृत करने के आधार का पुनरीक्षण'' होगा। यह संशोधित उद्घोषणाएं 1 अप्रैल, 2012 या उसके बाद शुरू होने वाले लेखा वर्ष से लागू एवं प्रभावी होगी।

कम्पनी अधिनियम, 2013 : 30 सितम्बर, 2014 तक घोषित कम्पनी अधिनियम, 2013 से सम्बन्धित धाराएँ मई, 2015 की परीक्षा मे लागू होंगी।

(B) मई, 2015 की परीक्षा में लागू नहीं

कम्पनी मामलों के मंत्रालय (MCA) द्वारा जारी लेखा मानक (द्वितीय) : MCA द्वारा लागू होने की तिथि की घोषणा के बिना अपनी वेबसाइट पर 35 प्रायोजित भारतीय लेखा मानक (द्वितीय) जारी किये गये। ये वे लेखा मानक हैं जो भारतीय लेखा मानक एवं IFRS के अन्तरों को दूर करने का प्रयास करते हैं। **ये लेखा मानक (द्वितीय) मई, 2015 की परीक्षा में बैठने वाले छात्रों पर लागू नही होंगे।**

भाग II : प्रश्न एवं उत्तर

(PART II : QUESTIONS AND ANSWERS)

कम्पनी का वित्तीय विवरण

1. (a) बताइये, कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार निम्न खाते चिट्ठे के किस शीर्षक में वर्गीकृत किये जायेंगे:

   (i) निर्गमित अंश पूंजी से अधिक अंश आवेदन पर प्राप्त राशि।

   (ii) अदत्त अंश विकल्प खाता।

   (iii) अदत्त परिपक्व ऋणपत्र तथा उन पर अर्जित ब्याज।

   (iv) अंश तथा अन्य आंशिक प्रदत्त विनियोग पर बकाया दायित्व।

   (v) अदत्त मांगें।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(vi) विस्तार के दौरान अदृश्य सम्पत्तियां।

(vii) अंश अधिपत्र के बदले प्राप्त राशि।

(b) एक्स लिमिटेड (एक गैर–विनियोगी कम्पनी) के चिट्ठे से निम्न सारांश प्राप्त कियेः

31 मार्च, 2015 को चिट्ठा (संक्षिप्त)

दायित्व	(₹)
अधिकृत पूंजी	
15,000, 14% पूर्वाधिकार अंश 100 ₹ वाले	15,00,000
1,50,000 समता अंशा 100 ₹ वाले	1,50,00,000
	1,65,00,000
निर्गमित एवं अभिदत्त पूंजी	
15,000, 14% पूर्ण दत्त पूर्वाधिकार अंश 100 ₹ वाले	15,00,000
1,20,000, समता अंश 100 ₹ वाले 80 ₹ प्रदत्त	96,00,000
पूंजी संचय (1,50,000 ₹ पुनर्मूल्यांकन संचय)	1,95,000
प्रतिभूति प्रीमियम	50,000
15% ऋणपत्र	65,00,000
असुरक्षित ऋण : एक वर्ष के बाद देय सार्वजनिक जमा	3,70,000
अंश, ऋणपत्र इत्यादि में विनियोग	75,00,000
लाभ-हानि खाता (डेबिट शेष)	15,25,000

कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची V के प्रावधान के अनुसार प्रभावी (Effective) पूंजी की गणना कीजिये।

(c) फ्यूटरा लिमिटेड के 31 मार्च, 2015 के आर्थिक चिट्ठे मे ''संचय एवं आधिक्य'' में निम्न मदें थीं–

	राशि लाख (₹)
प्रतिभूति प्रीमियम खाता	80
पूंजी संचय	60
सामान्य संचय	90

उस तारीख को संचित हानि 250 लाख ₹ थी जिसको ''लाभ-हानि विवरण'' शीर्षक के अन्तर्गत चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया गया था। कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार इस मद की शुद्धता पर टिप्पणी कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

नकद प्रवाह विवरण पत्र

2. पी क्यू लिमिटेड का संक्षिप्त चिट्ठा दिया हुआ है। 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लेखा मानक 3 के अनुसार अप्रत्यक्ष विधि के आधार पर नकद प्रवाह विवरण बनाइये :

आर्थिक चिट्ठा

दायित्व	31 मार्च, 2013	31 मार्च, 2014	सम्पत्तियां	31 मार्च, 2013	31 मार्च, 2014
	₹	₹		₹	₹
पूंजी	50,00,000	50,00,000	प्लाण्ट एवं मशीनरी	27,30,000	40,70,000
संचित आय	26,50,000	36,90,000	*घटाइये* : ह्रास	6,10,000	7,90,000
ऋणपत्र	–	9,00,000		21,20,000	32,80,000
चालू दायित्व :			व्यापारिक प्राप्य	23,90,000	28,30,000
व्यापारिक देय	8,80,000	8,20,000	*घटाइये* : प्रावधान	1,50,000	1,90,000
बैंक ऋण	1,50,000	3,00,000		22,40,000	26,40,000
व्ययों के लिये दायित्व	3,30,000	2,70,000	रोकड़	27,00,000	33,20,000
			स्कंध	20,10,000	19,20,000
लाभांश देय	1,50,000	3,00,000	पूर्वदत्त व्यय	90,000	1,20,000
	91,60,000	1,12,80,000		91,60,000	1,12,80,000

अतिरिक्त सूचनाएँ :

(i) 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए 1,80,000 ₹ का ह्रास चार्ज करने के बाद शुद्ध लाभ 22,40,000 ₹ था।

(ii) व्यापारिक प्राप्य में 2,30,000 ₹ वसूली योग्य नहीं है जिनको वर्ष के दौरान संदिग्ध ऋण के आयोजन से अपलिखित किया गया।

(iii) वर्ष 2013–14 के लिए पी क्यू लिमिटेड ने 12,00,000 ₹ का लाभांश घोषित किया।

समामलेन से पूर्व लाभ/हानि

3. अतुल सन्स नाम से संचालित चालू व्यवसाय को स्नेहा लिमिटेड द्वारा 1 अप्रैल, 2013 को ले लिया गया जिसका समामेलन 1 जुलाई, 2013 को हुआ था। वर्ष 2013–14 के दौरान कुल विक्रय 24,00,000 ₹ था जिसमे से प्रथम छः माह का विक्रय 4,80,000 ₹ था। कम्पनी का सकल लाभ 3,90,800 ₹ था। लाभ-हानि खाते के डेबिट में लिखे गये व्ययों में शामिल थे :

© The Institute of Chartered Accountants of India

(i) संचालक फीस 30,000 ₹

(ii) डूबत ऋण 7,200 ₹

(iii) विज्ञापन 24,000 ₹

(iv) वेतन एवं सामान्य व्यय 1,28,000 ₹

(v) प्रारंभिक व्यय अपलिखित 10,000 ₹

31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए समामेलन से पूर्व तथा बाद के लाभ को दिखाते हुए विवरण पत्र बनाइये।

बोनस निर्गमन का लेखांकन

4. 31 मार्च, 2015 को सरल लिमिटेड (सूचियत कम्पनी) के तलपट में निम्न मदें प्रकट हुईं :

विवरण	राशि (₹)
4,500 समता अंश 100 ₹ वाले	4,50,000
पूंजी संचय (प्लाण्ट के विक्रय पर 40,000 ₹ का लाभ शामिल करते हुए)	90,000
प्रतिभूति प्रीमियम	40,000
पूंजी शोधन संचय	30,000
सामान्य संचय	1,05,000
लाभ-हानि खाता (क्रेडिट शेष)	65,000

कम्पनी ने निर्णय लिया कि समता अंशधारियों को प्रत्येक 2 अंशों के धारक को एक बोनस अंश दिया जायेगा। कम्पनी ने निर्णय लिया कि मुक्त संचय में न्यूनतम कमी की जावेगी। सरल लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिये।

कम्पनी का आंतरिक पुनर्निर्माण

5. 31 मार्च, 2015 को एम लिमिटेड का संक्षिप्त आर्थिक चिट्ठा निम्न प्रकार था :

दायित्व	(₹)	सम्पत्ति	(₹)
15,000, 10% पूर्वाधिकार अंश 100 ₹ वाले	15,00,000	भूमि एवं भवन	15,00,000
35,000 समता अंश 100 ₹ वाले	35,00,000	प्लाण्ट एवं मशीन	10,00,000
प्रतिभूति प्रीमियम खाता	1,00,000	स्कंध	6,00,000
7% ऋणपत्र 100 ₹ वाले	5,00,000	व्यापारिक प्राप्य	15,00,000
व्यापारिक देय	12,50,000	बैंक में रोकड़	1,00,000
संचालक से ऋण	1,50,000	लाभ-हानि खाता	23,00,000
	70,00,000		70,00,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

पूर्वाधिकार अंशों पर गत 5 वर्षों से लाभांश नहीं चुकाया गया है।

ट्रिब्यूनल द्वारा पुनर्निर्माण की निम्नलिखित योजना अनुमोदित हुई :

(i) प्रत्येक समता अंश को 25 ₹ तक कम किया गया।

(ii) प्रत्येक पूर्वाधिकार अंश को 75 ₹ तक कम किया गया। इसके बाद एक 13% पूर्वाधिकार अंश 50 ₹ वाले तथा एक 25 ₹ वाले समता अंश में परिवर्तन किया गया।

(iii) पूर्वाधिकार अंशधारियों ने 4 वर्ष के लाभांश का त्याग कर दिया है। उन्हें पुरानी दर से केवल 1 वर्ष का लाभांश देय है जिसका भुगतान 25 ₹ वाले पूर्ण दत्त समता अंशों के निर्गमन द्वारा किया जायेगा।

(iv) ऋणपत्रधारियों को यह विकल्प है कि वे अपने 90% दावे के बदले नकद स्वीकार करें या 13% पूर्वाधिकार अंश 50 ₹ वाले सम मूल्य पर निर्गमन द्वारा परिवर्तित कर सकते हैं। आधे मूल्य के ऋणपत्रधारियों ने अपने दावे के बदले पूर्वाधिकार अंश स्वीकार किये। शेष को नकद भुगतान किया गया।

(v) 1,50,000 ₹ का संदिग्ध दायित्व देय है। यह दायित्व एक संचालक की गलती के कारण उत्पन्न हुआ। इस हानि को संचालक द्वारा कम्पनी को दिये गये ऋण से क्षतिपूर्ति करने पर सहमत है।

(vi) 40,000 नये समता अंश 25 ₹ वाले सम मूल्य पर निर्गमित किये गये, पूर्ण राशि प्रार्थना पत्र पर देय। सभी अंश ले लिये गये।

(vii) प्लाण्ट एवं मशीनरी, स्कंध तथा व्यापारिक प्राप्य के मूल्यों में क्रमशः 4,00,000 ₹, 1,00,000 ₹ तथा 1,50,000 ₹ की कमी हुई है। भूमि एवं भवन के मूल्य में 18,00,000 ₹ की वृद्धि की गई।

(viii) अभिगोपन कमीशन के अलावा इस योजना पर कम्पनी द्वारा कुल 15,000 ₹ खर्च किये गये।

उपर्युक्त व्यवहार के लेखा करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दीजिये।

कम्पनी का एकीकरण

6. पी लिमिटेड तथा क्यू लिमिटेड ऑटो पार्ट्स के निर्माण का व्यवसाय करते हैं। दोनों कम्पनियों ने एकीकरण का निर्णय लिया तथा एक नयी कम्पनी पी क्यू लिमिटेड का निर्माण किया जिसकी अधिकृत पूंजी 10,00,000 ₹ जो कि 1,00,000 समता अंश 10 ₹ वाले में विभाजित है। 31 मार्च, 2014 को कम्पनी का चिट्ठा अग्र प्रकार थाः

© The Institute of Chartered Accountants of India

पी लिमिटेड

31.03.2014 को चिट्ठा

	विवरण	राशि (₹)
(i)	**अंश एवं दायित्व**	
	1. अंशधारियों का कोष	
	(अ) अंश पूंजी	1,40,000
	(ब) संचय एवं आधिक्य :	
	लाभ-हानि खाता	30,000
	2. गैर–चालू दायित्व	
	8% सुरक्षित ऋणपत्र	1,10,000
	3. चालू दायित्व	
	व्यापारिक देय	54,000
	योग	3,34,000
(ii)	**सम्पत्तियां**	
	1. गैर–चालू सम्पत्ति	
	(अ) स्थायी सम्पत्ति :	
	भवन लागत पर घटाइये ह्रास	1,00,000
	प्लाण्ट एवं मशीनरी लागत पर घटाइये ह्रास	25,000
	2. चालू सम्पत्ति	
	(अ) स्कंध	1,35,000
	(ब) व्यापारिक प्राप्य	44,000
	(स) बैंक में रोकड़	30,000
	योग	3,34,000

क्यू लिमिटेड

31.03.2014 को चिट्ठा

	विवरण	राशि (₹)
(i)	**समता एवं दायित्व**	
	1. अंशधारियों का कोष	
	(अ) अंश पूंजी	2,50,000
	(ब) संचय एवं आधिक्य :	

© The Institute of Chartered Accountants of India

	सामान्य संचय	1,20,000
	लाभ-हानि खाता	35,000
	2. चालू दायित्व	
	व्यापारिक देय	1,40,000
	योग	5,45,000
(ii)	**सम्पत्तियाँ**	
	1. गैर–चालू सम्पत्तियाँ	
	(अ) स्थायी सम्पत्तियाँ :	
	भवन लागत पर घटाइये ह्रास	1,90,000
	प्लाण्ट एवं मशीनरी लागत पर घटाइये ह्रास	80,000
	फर्नीचर एवं फिक्सचर्स लागत पर घटाइये ह्रास	25,000
	2. चालू सम्पत्ति	
	(अ) स्कंध	50,000
	(ब) व्यापारिक प्राप्य	1,42,000
	(स) बैंक में रोकड़	58,000
	योग	5,45,000

निम्नलिखित कुछ अपवादों को छोड़कर, विद्यमान कम्पनी की सम्पत्ति एवं दायित्व को पुस्तक मूल्य पर हस्तांतरित किया जायेगा :

(i) पी लिमिटेड की ख्याति 50,000 ₹ तथा क्यू लिमिटेड की 1,50,000 ₹ थी।

(ii) क्यू लिमिटेड का फर्नीचर एवं फिक्सचर्स का मूल्य 35000 ₹ था।

(iii) पी लिमिटेड के व्यापारिक प्राप्य से पूर्ण वसूली हुई थी, पी लिमिटेड के समापक ने बैंक शेष को रोक कर रखा तथा उस आय से व्यापारिक देय का भुगतान किया गया।

(iv) पी लिमिटेड के ऋणपत्रों का निस्तारण पी क्यू लिमिटेड के 8% 11,000 ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर निर्गमन करके किया गया।

आपसे अपेक्षित है :

(i) पी क्यू लिमिटेड द्वारा वर्तमान कम्पनियों के अंशधारियों को सम मूल्य पर जारी किये जाने वाले अंशों के आधार की गणना कीजिये।

(ii) एकीकरण समाप्त होने वाली तारीख 1 अप्रैल, 2014 को पी क्यू लिमिटेड का चिट्ठा तैयार कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

औसत देय तिथि

7. शहनाज द्वारा लिखित निम्न बिल महनॉज द्वारा स्वीकृत :

8 मार्च, 2014 को 4,000 ₹ 4 महीने के लिये

16 मार्च, 2014 को 5,000 ₹ 3 महीने के लिये

7 अप्रैल, 2014 को 6,000 ₹ 5 महीने के लिये

17 मई, 2014 को 5,000 ₹ 3 महीने के लिये

वह समस्त बिलों का एक ही दिन भुगतान करना चाहता है। औसत देय तिथि ज्ञात कीजिये।

चालू खाता

8. 30 जून, 2014 को समाप्त होने अर्द्व वर्ष के दौरान रोहन एवं सुनील के बीच निम्न व्यवहार हुए :

		₹
(i)	1 जनवरी, 2014 को सुनील द्वारा रोहन को देय शेष	3,010
(ii)	7 जनवरी, 2014 को रोहन ने सुनील को माल बेचा	4,430
(iii)	16 फरवरी, 2014 को सुनील से रोहन द्वारा माल खरीदा गया	6,480
(iv)	18 फरवरी, 2014 को रोहन द्वारा सुनील को माल की वापसी (16 फरवरी, 2014 के क्रय में से)	560
(v)	24 मार्च, 2014 को सुनील ने रोहन को माल बेचा	3,560
(vi)	22 अप्रैल, 2014 को रोहन द्वारा 3 महीने का बिल स्वीकार	1,500
	29 अप्रैल, 2014 को रोहन द्वारा सुनील को नकद भुगतान	2,500
(vii)	17 मई, 2014 को रोहन द्वारा सुनील को माल बेचा	2,710
(viii)	22 जून, 2014 को सुनील द्वारा रोहन को माल बेचा	2,280

10% वार्षिक ब्याज लगाते हुए एक चालू खाता बनाना है, जो सुनील द्वारा रोहन को दिया जाना है।

किराया क्रय व्यवहार

9. 01.04.2014 को ग्लोबस लिमिटेड ने गणेश एन्टरप्राइजेज से एक डिलीवरी गाड़ी किराया क्रय पद्धति के आधार पर खरीदी। शर्तें निम्न प्रकार थीं :

विवरण	राशि (₹)
किराया क्रय मूल्य	1,80,000
तुरन्त भुगतान	30,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

1 वर्ष के बाद देय प्रथम किस्त	50,000
2 वर्ष के बाद देय द्वितीय किस्त	50,000
3 वर्ष के बाद देय तृतीय किस्त	30,000
4 वर्ष के बाद देय चतुर्थ किस्त	20,000

गाड़ी का नकद मूल्य 1,50,000 ₹ तथा अपलिखित मूल्य (WDV) पर ह्रास 10% चार्ज करना है।

आपसे कुल ब्याज तथा प्रत्येक किस्त में शामिल ब्याज की गणना अपेक्षित है।

स्वकीय संतुलन खाते

10. निम्न सूचनाओं से देनदार खाताबही में दिखाया जाने वाला सामान्य बही समायोजन खाता बनाइये :

	डेबिट (₹)	क्रेडिट (₹)
1.4.2013 को शेष		
देनदार खाता	94,400	480
31.3.2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान व्यवहार :		
उधार विक्रय	2,24,000	
देनदारों से प्राप्त (1,18,000 ₹ के पूर्ण भुगतान के बदले)	1,16,400	
देनदारों से वापसी	5,200	
ग्राहक द्वारा बिल स्वीकार्य	40,200	
प्राप्य बिल का अनादरण	3,000	
प्राप्य बिल को बट्टे पर भुनाना	10,000	
लेनदारों को प्राप्य बिल का बेचान	8,000	
बेचान किये गये बिल का अनादरण	2,000	
डूबत ऋण अपलिखित	5,000	
31.3.2014 को देनदार खाते का शेष	760	

गैर–लाभकारी संस्थाओं का वित्तीय विवरण

11. (a) इलाइट क्लब (कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड नहीं) में 200 सदस्य हैं जिनमें प्रत्येक सदस्य का वार्षिक चंदा 3,600 ₹ है। 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के दौरान क्लब के प्राप्त चंदे का विश्लेषण अग्र प्रकट करता है :

© The Institute of Chartered Accountants of India

	₹
वर्ष 2013–14 के लिए	25,200
वर्ष 2014–15 के लिए	6,98,400
वर्ष 2015–16 के लिए	7,200
	7,30,800

31 मार्च, 2015 को यह पाया गया कि अभी तक 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के 3,600 ₹ बकाया है। 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान क्लब के आय-व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाये जाने वाले चंदे से सम्बन्धित मदों की राशि की गणना कीजिये। यह भी बताइये कि 31 मार्च, 2015 के चिट्ठे में चंदे की राशि किस प्रकार दिखायी जायेगी।

(b) 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष का गामा क्लब का आय एवं व्यय खाता निम्न प्रकार है :

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय एवं व्यय खाता

	(₹)		(₹)
वेतन का	19,500	चंदा से	68,000
किराया का	4,500	दान से	5,000
मुद्रण का	750		
बीमा का	500		
अंकेक्षण फीस का	750		
खेलकूद एवं स्पोर्टस का	3,500		
चंदा अपलिखित का	350		
विविध व्यय का	14,500		
फर्नीचर के विक्रय पर हानि का	2,500		
ह्रास का			
स्पोर्ट्स सामग्री	6,000		
फर्नीचर	3,100		
आय का व्यय पर आधिक्य का	17,050		
	73,000		73,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

अतिरिक्त सूचनाएं :

	31.03.2014	31.03.2015
	₹	₹
बकाया चंदा	2,600	3,700
अग्रिम चंदा	1,000	1,500
अदत्त व्यय :		
किराया	500	800
वेतन	1,200	350
अकेक्षण फीस	500	750
स्पोर्ट्स सामग्री घटाइये ह्रास	25,000	24,000
फर्नीचर घटाइये ह्रास	30,000	27,900
पूर्वदत्त बीमा		150

बेचे गये फर्नीचर का पुस्तक मूल्य 7,000 ₹ है। पूंजीकृत प्रवेश शुल्क 4,000 ₹। 1 अप्रैल, 2014 को कोई रोकड़ शेष नहीं थी किन्तु बैंक अधिवकर्ष 15,000 ₹ था। 31 मार्च, 2015 को हस्तस्थ रोकड़ 850 ₹ था तथा शेष बैंक शेष था।

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष का आगम एवं शोधन खाता बनाइये।

विनियोग खाते

12. ए प्राइवेट लिमिटेड लेखा कार्य के लिए कैलेण्डर वर्ष को अपनाती है। 1 मई, 2014 को कम्पनी ने पी लिमिटेड के 100 ₹ वाले 5,000, 13.5% परिवर्तनीय ऋणपत्र 105 ₹ में ब्याज सहित मूल्य पर खरीदे। इस विनियोग पर क्रमशः 31 मार्च एवं 30 सितम्बर को ब्याज देय होता है। 1 अगस्त, 2014 को कम्पनी ने दुबारा उन ऋणपत्रों को @ 102.50 ₹ मूल्य पर ब्याज सहित खरीदा। 1 अक्टूबर, 2014 को कम्पनी ने इन ऋणपत्रों को @ 103 ₹ में बेचा। 31 दिसम्बर, 2014 को कम्पनी को अपनी 20% होल्डिंग के बदले पी लिमिटेड के 10 ₹ वाले 20,000 समता अंश प्राप्त हुए। वर्ष के अन्त में ऋणपत्र तथा समता अंश का बाजार मूल्य क्रमशः 106 ₹ तथा 9 ₹ है। वर्ष 2014 के लिए ए प्राइवेट लिमिटेड की पुस्तक में ऋणपत्र विनियोग खाता तथा समता अंश विनियोग खाता औसत लागत के आधार पर बनाइये।

अपूर्ण लेखों से खाते

13. 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए एक्स लिमिटेड का अग्र सूचनाओं से लाभ-हानि खाता तथा उस तिथि का चिट्ठा बनाइये :

© The Institute of Chartered Accountants of India

		31.03.2014	31.03.2015
1.	**दायित्व एवं सम्पत्ति**		
	व्यापार में स्टॉक	1,60,000	1,40,000
	विक्रय के लिए देनदार	3,20,000	?
	प्राप्य बिल	–	?
	क्रय के लिए लेनदार	2,20,000	3,00,000
	फर्नीचर का अपलिखित मूल्य	1,20,000	1,27,000
	अदत्त खर्चे	40,000	36,000
	पूर्वदत्त खर्चे	12,000	14,000
	हस्तस्थ रोकड़	4,000	3,000
	बैंक शेष	20,000	9,500
2.	2014–15 **के दौरान प्राप्ति एवं भुगतान**		
	देनदार से वसूली $(2\frac{1}{2}\%$ छूट के बाद)		11,70,000
	लेनदार को भुगतान (2% छूट प्राप्ति के बाद)		7,84,000
	प्राप्य बिल से प्राप्ति 2% बटटे पर		1,22,500
	मालिक का आहरण		1,40,000
	30.09.2014 को फर्नीचर का क्रय		20,000
	01.10.2014 को 4% सरकारी प्रतिभूतियों का 96% मूल्य पर क्रय		1,92,000
	खर्चे		3,50,000
	विविध आय		10,000
3.	विक्रय मूल्य इस प्रकार निर्धारित किया जाये कि सकल लाभ विक्रय आगम का 1/3 भाग वसूल हो।		
4.	वितरकों को सैंपल के रूप में 8,000 ₹ की लागत का माल का वितरण किया गया।		
5.	क्रय एवं विक्रय केवल उधार पर।		

© The Institute of Chartered Accountants of India

6.	वर्ष के दौरान देनदारों से 2,00,000 ₹ के बिल प्राप्त हुए। इनमें से 40,000 ₹ के बिल का लेनदारों को बेचान। बाद वाली राशि में से 8,000 ₹ के बिल का देनदार द्वारा अनादरण।
7.	वर्ष के दौरान मालिक ने रोकड़ बही में चैक द्वारा लगाई गई पूंजी का लेखांकन करना भूल गये। यद्यपि, इसको शामिल करते हुए 31 मार्च, 2015 को बैंक शेष 9,500 ₹ (जैसा ऊपर दिखाया गया) था।

लाभ की हानि तथा स्टॉक की हानि के बीमा दावे

14. (a) 22 जनवरी, 2015 को आग लग गई तथा स्टॉक नष्ट हो गया। बचाये गये माल का मूल्य बहुत कम था, जो ध्यान योग्य नहीं है। फर्म प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को खाते बनाती है। 31 मार्च, 2013 को 9,62,200 ₹ के स्टॉक की तुलना में 31 मार्च, 2014 को 13,27,200 ₹ की लागत का स्टॉक था।

पूरे वर्ष 2013–14 का क्रय 45,25,000 ₹ की तुलना में 1 अप्रैल, 2014 से आग लगाने की तिथि तक का क्रय 34,82,700 ₹ था। सम्बन्धित अवधि का विक्रय क्रमशः 49,17,000 ₹ तथा 52,00,000 ₹ था।

आपको निम्न अतिरिक्त सूचनायें दी जा रही हैं :

(i) जुलाई, 2014 के दौरान 1,00,000 ₹ का माल विज्ञापन में प्रयोग के लिये दिया गया जिसका लेखा पुस्तको में कोई लेखांकन नहीं किया गया।

(ii) सकल लाभ की दर स्थिर (Constant) है।

एक्स लिमिटेड ने औसत वाक्य की शर्त के साथ 5,50,000 ₹ की बीमा पॉलिसी ली। उपर्युक्त सूचनाओं के आधार पर आग लगने की तिथि को अनुमानित हस्तस्थ स्टॉक तथा बीमा कम्पनी पर दावे की राशि की गणना कीजिये।

(b) एक व्यापारी ने 6 माह की क्षतिपूर्ति अवधि के लिए लाभ की हानि के लिए पॉलिसी ली गई। यद्यपि, वह पॉलिसी की राशि तय नहीं कर पाया। निम्न सूचनाओं के आधार पर पॉलिसी की राशि का सुझाव दीजिये :

	₹
पिछले वर्ष के दौरान विक्रय	4,50,000
पिछले वित्तीय वर्ष में स्थायी व्यय	90,000

पिछले वर्ष में विक्रय पर 10% की दर से शुद्ध लाभ कमाया तथा बाद वाले वर्षों में उसी तरह की प्रवृत्ति (Trend) रहने की संभावना।

विक्रय में 25% वृद्धि की संभावना।

अतिरिक्त विक्रय के लिए व्यापारी को 30,000 ₹ खर्च करना पड़ेगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

साझेदारी खातो में विचारणीय विषय

15. एल एच एण्ड कम्पनी में 01.04.2011 से लौरेल एवं हार्डी साझेदार हैं। प्रारम्भ में प्रत्येक ने 1,00,000 पूंजी के रूप में अंशदान दिया। इसके पश्चात्, उन्होंने कोई पूँजी अंशदान नहीं दिया। वे फर्म के खाते व्यापारिक पद्धति के आधार पर रखते हैं। वे लाभ-हानि को 5 : 4 के अनुपात में विभाजित कर रह रहे थे। 31.03.2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के खाते जब फाइनल कर रहे थे, तब साझेदारो ने तय किया कि 01.04.2011 से लाभ-हानि को बराबर–बराबर अनुपात में विभाजित करेंगे।

यह भी पाया गया कि पहले के वर्षों के परिणाम तय करते समय, निम्नलिखित कुछ समायोजनों को ध्यान में नहीं रखा गया :

31 मार्च को समाप्त अवधि	2012	2013	2014	2015
फाइनल तैयार किये गये खातों के अनुसार लाभ	1,40,000	2,60,000	3,20,000	3,60,000
खर्चों का पहले ध्यान नहीं रखा गया (31 मार्च को)	30,000	20,000	36,000	24,000
आय को खातों में शामिल नहीं किया गया (31 मार्च को)	18,000	15,000	12,000	21,000

01.04.2015 से साझेदारों ने चैपलीन को साझेदार के रूप में प्रवेश दिया। यह भी तय किया गया कि चैपलीन का फर्म के लाभ में 20% का हिस्सा होगा तथा वह लौरेल एवं हार्डी की संयुक्त पूंजी के 20% के बराबर हिस्सा लायेगा। चैपलीन के प्रवेश से पूर्व तथा लौरेल एवं हार्डी के बीच संशोधित लाभ के समायोजन से पूर्व, 31.03.2015 को कम्पनी का चिट्ठा निम्न प्रकार है:

31.03.2015 को एल एच एण्ड कम्पनी का चिट्ठा

दायित्व	₹	सम्पत्ति	₹
पूंजी खाते :		प्लाण्ट एवं मशीनरी	60,000
लौरेल	2,11,500	हस्तस्थ रोकड़	10,000
हार्डी	1,51,500	बैंक में रोकड़	5,000
व्यापारिक देय	2,27,000	व्यापार में स्टॉक	3,10,000
		व्यापारिक प्राप्य	2,05,000
	5,90,000		5,90,000

आपसे बनाना अपेक्षित है :

(i) लाभ-हानि समायोजन खाता;

(ii) साझेदारों के पूंजी खाते तथा

(iii) चैपलीन के प्रवेश के पश्चात् फर्म का चिट्ठा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

16. एक बड़े अस्पताल में लेखा कार्य का आउटसोर्स करने का निश्चय किया। अस्पताल ने खुली निविदाओं द्वारा विक्रेताओं से प्रस्ताव आमंत्रित किये तथा तीन प्रस्ताव प्राप्त हुये। आप किस प्रकार विक्रेता तय करेंगे ?

17. (a) 2013–14 में एक कम्पनी का गैर–एसएमसी (Non-SMC) के रूप में वर्गीकरण हुआ। 2014–15 में उसका वर्गीकरण एसएमसी (SMC) के रूप में हुआ। 2014–15 में प्रबन्ध ने एसएमसी के रूप में प्राप्त छूट एवं शिथिलता प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की। यद्यपि, कम्पनी का लेखाकार इस विचार से सहमत नही था। टिप्पणी कीजिये।

(b) निम्न सूचनाओं से कच्ची सामग्री के मूल्य तथा अन्तिम स्टॉक की गणना कीजिये :

कच्ची सामग्री X	
अन्तिम शेष	500 इकाइयां
	₹ प्रति इकाई
लागत मूल्य में उत्पादन शुल्क शामिल करते हुए	200
उत्पादन शुल्क (उत्पादन शुल्क चुकता पर सेनवैट (Cenvat) क्रेडिट प्राप्य)	10
आवक गाड़ी भाड़ा	20
माल उतारने का खर्चा	10
प्रतिस्थापन लागत	150
निर्मित माल Y	
अन्तिम शेष	1200 इकाइयां
	₹ प्रति इकाई
सामग्री का उपभोग	220
प्रत्यक्ष श्रम	60
प्रत्यक्ष उपरिव्यय	40

सामान्य क्षमता 20,000 इकाई पर कुल स्थायी उपरिव्यय 2,00,000 ₹ थे।

अन्तिम स्टॉक के मूल्य की गणना कीजिये, जबकि निर्मित माल Y का वसूली योग्य मूल्य 400 ₹ था।

18. (a) 1.4.2010 को 4,00,000 ₹ में मशीन अधिग्रहण की थी। मशीन का संभावित जीवनकाल 10 वर्ष था। उसका अवशिष्ट मूल्य मूल लागत का 10% संभावित था। चौथे वर्ष के प्रारम्भ में, उसकी क्षमता बढ़ाने के लिए 1,80,000 ₹ की लागत का हिस्सा जोड़ा गया। जोड़े गये हिस्से का अनुमानित जीवन काल 10 वर्ष तथा अवशिष्ट मूल्य शून्य था। इसी अवधि के दौरान, मूल मशीन का पुनर्मूल्यांकन मूल्य 90,000 ₹ से अधिक था, शेष जीवनकाल का पुनः निर्धारण 9 वर्ष तथा अवशिष्ट मूल्य का पुनः निर्धारण शून्य था।

© The Institute of Chartered Accountants of India

वर्ष 2013–14 का ह्रास मूल्य ज्ञात कीजिए, यदि

(i) जोड़े गये हिस्से का पृथक अस्तित्व हो।

(ii) जोड़ा गया हिस्सा मशीन का एक हिस्सा हो।

(b) 01.04.2009 को मिस्टर ए ने 1,00,000 ₹ में मशीन खरीदी। 01.07.2010 को उसने दूसरी मशीन 1,50,000 ₹ में खरीदी। 01.10.2011 को उसने तीसरी मशीन 2,00,000 ₹ में खरीदी तथा 31.12.2012 को दूसरी मशीन 1,25,000 ₹ में बेची। 31.03.2014 को कम्पनी ने सरल रेखा पद्वति (SLM)@ 10% के स्थान पर क्रमागत ह्रासमूल्य पद्धति @ 15% दर से अपनाने का निश्चय किया। 01.04.2009 से 31.03.2014 तक मशीन खाता बनाइये।

19. (a) 1 दिसम्बर, 2014 को ''सम्पत'' कंस्ट्रक्शन कम्पनी ने 108 लाख ₹ में भवन बनाने का ठेका लिया। 31 मार्च, 2015 को यह पाया गया कि कम्पनी ने 83.99 लाख ₹ निर्माण पर पहले से व्यय कर दिये हैं। कार्य पूरा करने के लिए संभावित अतिरिक्त लागत का मितव्ययी अनुमान 36.01 लाख ₹ था।

लेखा मानक (AS) 7 ''निर्माणी ठेके का लेखांकन'' के आधार पर 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के अन्तिम खातों में कितनी राशि का संभाव्य हानि का प्रावधान करना है।

(b) 31.03.2014 को कम्पनी संचालकों ने पुरानी तिथि 01 जनवरी, 2014 से कुछ आईटम का विक्रय मूल्य बढ़ाने का निश्चय किया। 01 जनवरी, 2014 से मूल्य में संशोधन के कारण विक्रय से कम्पनी को 01 जनवरी, 2014 से 31 मार्च, 2014 तक ग्राहकों से 15 लाख ₹ वसूल हुये। लेखाकार यह तय नहीं कर पा रहा कि क्या 2013–14 के विक्रय में 15 लाख ₹ शामिल करे। राय दीजिये।

20. (a) 01 मार्च, 2014 को एक्स लिमिटेड ने फैक्ट्री के लिए 5 लाख ₹ मूल्य की जमीन खरीदी। कम्पनी ने पुराने भवन की सम्पत्ति को नष्ट किया तथा पुरानी सामग्री को 10,000 ₹ में बेचा। कम्पनी ने अतिरिक्त लागत खर्च की तथा मार्च, 2014 के दौरान अवशिष्ट के विक्रय से निम्न प्रकार वसूली हुई:

मालिकाना लेखांकन तथा ठेके के लिये कानूनी व्यय	25,000 ₹
गारंटी दस्तावेज का बीमा	10,000 ₹
भवन को नष्ट करने की लागत	50,000 ₹

31 मार्च, 2014 को चिट्ठे में दिखाये जाने वाले भूमि खाते के शेष की गणना कीजिये।

(b) 01.01.2015 को एक्स लिमिटेड ने वाई लिमिटेड के सामान्य अंशों में 600 लाख ₹ का विनियोग किया जिसमे से 50% दीर्घकालीन स्थायी विनियोग तथा शेष अस्थायी विनियोग था। 31.03.2015 को इस प्रकार के सभी विनियोग का वसूली मूल्य 200 लाख ₹ हो गया जैसा कि वाई लिमिटेड कॉपीराइट का केस हार गया। 31.03.2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान वित्तीय विवरण में कमी को किस प्रकार मान्यता देंगे।

© The Institute of Chartered Accountants of India

सुझावित उत्तर/संकेत

(SUGGESTED ANSWERS/HINTS)

1. (a) (i) चालू दायित्व/अन्य चालू दायित्व

(ii) अंशधारियों का कोष/संचय एवं आधिक्य

(iii) चालू दायित्व/अन्य चालू दायित्व

(iv) सम्भाव्य हानि तथा वचनबद्धता

(v) अंशधारियों का कोष/अंश पूंजी

(vi) स्थायी सम्पत्तियाँ

(vii) अंशधारियों का कोष/अंश अधिपत्र के बदले प्राप्त धन

(b) प्रभावी पूंजी की गणनाः

		(₹)
प्रदत्त अंश पूंजी :		
15,000, 14% पूर्वाधिकार अंश		15,00,000
1,20,000 समता अंश		96,00,000
पूंजी संचय (पुनर्मूल्यांकन संचय रहित)		45,000
प्रतिभूति प्रीमियम		50,000
15% ऋणपत्र		65,00,000
सार्वजनिक निक्षेप		3,70,000
	(A)	1,80,65,000
विनियोग		75,00,000
लाभ-हानि खाता (डेबिट शेष)		15,25,000
	(B)	90,25,000
प्रभावी पूंजी	(A –B)	90,40,000

(c) कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के भाग 1 नोट 6 (ब) में दिया हुआ कि लाभ-हानि विवरण का डेबिट शेष (सभी विभाजन तथा विनियोजन के बाद) 'आधिक्य' शीर्षक में ऋणात्मक राशि के रूप में दिखाना चाहिये। उसी प्रकार से, आधिक्य में ऋणात्मक शेष का समायोजन करने के परिणामस्वरूप संचय एवं आधिक्य का शेष ऋणात्मक हो तो भी संचय एवं आधिक्य का शेष दिखाना चाहिये। इस केस में, लाभ-हानि विवरण का डेबिट शेष 250 लाख ₹ सभी कुल संचय 230 लाख ₹ से अधिक है। इस कारण से लाभ-हानि विवरण का डेबिट शेष समायोजन

© The Institute of Chartered Accountants of India

करने के बाद 'संचय एवं आधिक्य' का ऋणात्मक शेष 20 लाख ₹ है जिसको चिट्ठे में दिखाना चाहिये। इसलिये, कम्पनी द्वारा किया गया व्यवहार गलत है।

2. 31.03.2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

पी क्यू लिमिटेड का नकद प्रवाह विवरण

विवरण	₹	₹
परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		
शुद्ध लाभ	22,40,000	
जोड़िये : ह्रास के लिये समायोजन (7,90,000 ₹–6,10,000 ₹)	1,80,000	
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	24,20,000	
जोड़िये : स्कंध में कमी (20,10,000 ₹–19,20,000 ₹)	90,000	
संदिग्ध ऋण आयोजन में वृद्धि (4,20,000 ₹ – 1,50,000 ₹)	2,70,000	
	27,80,000	
घटाइये : चालू सम्पत्ति में वृद्धिः		
व्यापारिक प्राप्य (30,60,000 ₹–23,90,000 ₹) 6,70,000		
पूर्वदत्त खर्चे (1,20,000 ₹– 90,000 ₹) 30,000		
चालू दायित्व में कमी :		
व्यापारिक देय (8,80,000 ₹–8,20,000 ₹) 60,000		
अदत्त खर्चे (3,30,000 ₹– 2,70,000 ₹) 60,000	8,20,000	
परिचालन क्रियाओं से शुद्ध रोकड़		19,60,000
विनियोग क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		
प्लाण्ट एवं उपकरण का क्रय (40,70,000 ₹–27,30,000 ₹)	13,40,000	
विनियोग क्रियाओं में शुद्ध रोकड़ का प्रयोग		(13,40,000)
वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		
बैंक ऋण में वृद्धि (3,00,000 ₹–1,50,000 ₹)	1,50,000	
ऋणपत्रों का निर्गमन	9,00,000	
लाभांश का भुगतान (12,00,000 ₹–1,50,000 ₹)	(10,50,000)	
वित्तीय क्रियाओं में शुद्ध रोकड़ का प्रयोग		NIL
वर्ष के दौरान रोकड़ में शुद्ध वृद्धि		6,20,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

जोड़िये : 01.04.2013 को रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		27,00,000
31.03.2014 को रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		33,20,000

नोट : वर्ष के दौरान संदिग्ध ऋण आयोजन खाते से डूबत ऋण 2,30,000 ₹ अपलिखित किये गये। उपयुक्त उत्तर में, 31.3.2014 को देनदार एवं संदिग्ध ऋण आयोजन खाते के शेष में डूबत ऋण को दुबारा जोड़ा गया। वैकल्पिक रूप में, डूबत ऋण अपलिखित के समायोजन का ध्यान नहीं रखेंगे तथा 31.3.2014 को चिट्ठे में दिखाये गये देनदार तथा संदिग्ध ऋण आयोजन की राशि के आधार पर उत्तर दिया जायेगा।

3. समामेलन से पूर्व तथा बाद के लाभ की गणना को दिखाते हुए विवरण

31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

विवरण	कुल राशि	विभाजन का आधार	समामेलन से पूर्व	समामेलन के बाद
सकल लाभ	3,90,800	विक्रय	39,080	3,51,720
घटाइये : संचालक की फीस	30,000	बाद का	–	30,000
डूबत ऋण	7,200	विक्रय	720	6,480
विज्ञापन	24,000	विक्रय	2,400	21,600
वेतन एवं सामान्य व्यय	1,28,000	समय	32,000	96,000
प्रारंभिक व्यय	10,000	बाद का	–	10,000
शुद्ध लाभ	1,91,600			1,87,640
समामेलन से पूर्व लाभ को पूंजी संचय में हस्तांतरण किया			3,960	

कार्यशील टिप्पणियां:

1. **विक्रय अनुपात:**

विवरण	(₹)
30.6.2013 तक की अवधि का विक्रय $\left(4,80,000\times\frac{3}{6}\right)$	2,40,000
1.7.2013 से 31.3.2014 तक की अवधि का विक्रय (24,00,000 ₹–2,40,000 ₹)	21,60,000

इसलिए विक्रय अनुपात = 1 : 9

© The Institute of Chartered Accountants of India

2. **समय अनुपात**

1 अप्रैल, 2013 से 30 जून, 2013 तक : 01 जुलाई, 2013 से 31 मार्च, 2014 तक = 3 महीने : 9 महीने = 1 : 3

इसलिये, समय अनुपात = 1 : 3

4. जर्नल प्रविष्टियां

		(₹)	(₹)
पूंजी शोधन संचय खाता	ऋणी	30,000	
प्रतिभूति प्रीमियम खाता	ऋणी	40,000	
पूंजी संचय खाता (नकद मे वसूली)	ऋणी	40,000	
सामान्य संचय खाता	ऋणी	1,05,000	
लाभ-हानि खाता	ऋणी	10,000	
अंशधारी बोनस खाता का			2,25,000
(दिनांक ..... के प्रस्ताव के अनुसार विभिन्न संचय का प्रयोग करते हुए बोनस अंश का निर्गमन)			
अंशधारी बोनस खाता	ऋणी	2,25,000	
समता अंश पूंजी का			2,25,000
(लाभ का पूंजीकरण)			

5. एम लिमिटेड की पुस्तकों में

जर्नल प्रविष्टियां

	विवरण	ऋणी राशि (₹)	धनी राशि (₹)
1	समता अंश पूंजी (100 ₹) खाता ऋणी	35,00,000	
	समता अंश पूंजी (25 ₹) खाता का		8,75,000
	पूंजी कमी खाता का		26,25,000
	(100 ₹ वाले समता अंश को 25 ₹ तक कम किया गया तथा शेष राशि का पूंजी कमी खाते मे हस्तांतरण)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

2	10% पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता (100 ₹) ऋणी	15,00,000	
	10% पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता (75 ₹) का		11,25,000
	पूंजी कमी खाता का		3,75,000
	(100 ₹ वाले पूर्वाधिकार अंश पूंजी को 25 ₹ तक कम किया गया तथा शेष राशि का पूंजी कमी खाते में हस्तांतरण। कुल पूर्वाधिकार अंश=15,000)		
3	10% पूर्वाधिकार अंश पूंजी (75 ₹) खाता ऋणी	11,25,000	
	13% पूर्वाधिकार अंश पूंजी (50 ₹) खाता का		7,50,000
	समता अंश पूंजी (25 ₹) खाता का		3,75,000
	(10% पूर्वाधिकार अंश 75 ₹ के बदले एक नया 13% पूर्वाधिकार अंश 50 ₹ वाला तथा एक समता अंश 25 ₹ वाला। कुल पूर्वाधिकार अंश= 15,000)		
4	पूंजी कमी खाता ऋणी	1,50,000	
	पूर्वाधिकार अंश पर देय लाभांश खाता का		1,50,000
	(पूर्वाधिकार अंश पर 1 वर्ष का बकाया देय लाभांश)		
5	पूर्वाधिकार अंश पर देय लाभांश खाता ऋणी	1,50,000	
	समता अंश पूंजी खाता का		1,50,000
	(पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश के लिए 25 ₹ वाले समता अंशों का निर्गमन)		
6	7% ऋणपत्र खाता ऋणी	5,00,000	
	ऋणपत्रधारी खाता		5,00,000
	(7% ऋणपत्र का शेष ऋणपत्रधारियों के खाते मे हस्तांतरण)		
7	ऋणपत्रधारी खाता ऋणी	5,00,000	
	13% पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता का		2,50,000
	बैंक खाता का		2,25,000
	पूंजी कमी खाता का		25,000
	(50% ऋणपत्रधारियों ने 13% पूर्वाधिकार अंश का विकल्प अपनाया तथा शेष ने अपने दावे के 90% के बराबर नकद लिया।)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

8	संचालकों से ऋण खाता ऋणी	1,50,000	
	सम्भाव्य दायित्व के लिए आयोजन खाता का		1,50,000
	(सम्भाव्य दायित्व के आयोजन के लिए 1,50,000 ₹ देय तथा संचालकों के ऋण खाते से समायोजन)		
9	बैंक खाता ऋणी	10,00,000	
	समता अंश प्रार्थना पत्र एवं आबंटन खाता का		10,00,000
	(25 ₹ प्रति अंश से 40,000 समता अंशों पर प्रार्थना पत्र पर प्राप्त राशि)		
10	समता अंश प्रार्थना पत्र एवं आबंटन खाता ऋणी	10,00,000	
	समता अंश पूंजी खाता का		10,00,000
	(बंटन पर प्रार्थना पत्र पर प्राप्त राशि का पूंजी खाते में हस्तांतरण)		
11	भूमि एवं भवन खाता ऋणी	3,00,000	
	पूंजी कमी खाता का		3,00,000
	(भूमि एवं भवन के मूल्य में वृद्धि)		
12	पुनर्निर्माण व्यय खाता ऋणी	15,000	
	बैंक खाता का		15,000
	(पुनर्निर्माण पर व्यय का भुगतान)		
13	पूंजी कमी खाता ऋणी	31,75,000	
	प्लाण्ट एवं मशीनरी खाता का		4,00,000
	स्कंध खाता का		1,00,000
	व्यापारिक प्राप्य खाता का		1,50,000
	लाभ-हानि खाता का		23,00,000
	पुनर्निर्माण व्यय खाता का		15,000
	पूंजी संचय खाता (शेष राशि) का		2,10,000
	(विभिन्न प्रकार की हानियों को अपलिखित किया गया तथा पूंजी कमी खाते के शेष को पूंजी संचय खाते में हस्तांतरण)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

6. **क्रय प्रतिफल की गणना**

	पी. लिमिटेड (₹)	क्यू. लिमिटेड (₹)
सम्पत्तियां ली गईं :		
ख्याति	50,000	1,50,000
भवन	1,00,000	1,90,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी	25,000	80,000
फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	–	35,000
स्कंध	1,35,000	50,000
व्यापारिक प्राप्य	–	1,42,000
बैंक में रोकड़	–	58,000
	3,10,000	7,05,000
घटाइये : दायित्व लिये गये		
8% ऋणपत्र	(1,21,000)	
व्यापारिक देय		(1,40,000)
शुद्ध सम्पत्तियां ली गईं :	1,89,000	5,65,000
पी क्यू लिमिटेड के 10 ₹ वाले अंशों के सम मूल्य पर निर्गमन द्वारा संतुष्ट किया	18,900	56,500

पी क्यू लिमिटेड
1 अप्रैल, 2014 को आर्थिक चिट्ठा

विवरण	नोट नं.	राशि (₹)
I. समता एवं दायित्व		
(1) अंशधारियों का कोष		
(अ) अंश पूंजी	1	7,54,000
(ब) संचय एवं आधिक्य	2	11,000
(2) **गैर–चालू दायित्व**		
दीर्घकालीन उधार	3	1,10,000
(3) **चालू दायित्व**		
व्यापारिक देय		1,40,000
कुल		10,15,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

II.	**सम्पत्तियाँ**		
	(1) गैर–चालू सम्पत्तियाँ		
	स्थायी सम्पत्ति		
	दृश्य	4	4,30,000
	अदृश्य	5	2,00,000
	(2) चालू सम्पत्तियाँ		
	(अ) स्कंध		1,85,000
	(ब) व्यापारिक प्राप्य		1,42,000
	(स) बैंक में रोकड़		58,000
कुल			10,15,000

लेखों पर नोट्स :

(1)	**अंश पूंजी**		
	अधिकृत		
	1,00,000 अंश 10 ₹ वाले		10,00,000
	निर्गमित, अभिदत्त एवं चुकता		
	75,400 अंश 10 ₹ वाले		7,54,000
	(एकीकरण योजना के अन्तर्गत बिना किसी नकद भुगतान के उपयुक्त सभी पूर्ण दत्त अंशों का आबंटन)		
(2)	**संचय एवं आधिक्य**		
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता		11,000
(3)	**दीर्घकालीन ऋण**		
	8% ऋणपत्र		1,10,000
(4)	**दृश्य स्थायी सम्पत्ति**		
	भवन		
	पी लिमिटेड	1,00,000	
	क्यू लिमिटेड	1,90,000	2,90,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

	प्लाण्ट एवं मशीनरी		
	पी लिमिटेड	25,000	
	क्यू लिमिटेड	80,000	1,05,000
	फर्नीचर एवं फिक्सचर्स		
	क्यू लिमिटेड		35,000
			4,30,000
5	**अदृश्य स्थायी सम्पत्ति**		
	ख्याति		
	पी लिमिटेड	50,000	
	क्यू लिमिटेड	1,50,000	2,00,000

कार्यशील टिप्पणियां:

प्रतिभूति प्रीमियम की गणना

पी लिमिटेड के वर्तमान ऋणपत्रधारियों को पी क्यू लिमिटेड के ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गमन।

प्रतिभूति प्रीमियम =1,10,000 ₹ × 10% = ₹ 11,000

7. आधार तिथि से दिनों की संख्या की गणना

व्यवहार की तारीख	देय तिथि	राशि	आधार तिथि से दिनों की संख्या (19.6.2014 आधार तिथि)	गुणनफल
08.03.2014	11.07.2014	4,000	22	88,000
16.03.2014	19.06.2014	5,000	0	0
07.04.2014	10.09.2014	6,000	83	4,98,000
17.05.2014	20.08.2014	5,000	62	3,10,000
		20,000		8,96,000

$$\text{औसत देय तिथि} = \text{आधार तिथि} + \frac{\text{गुणनफल का योग}}{\text{कुल राशि}}$$

$$= 19.6.2014 + 8,96,000 \ / \ 20,000 \text{ ₹}$$

$$= 19.6.2014 + 45 \text{ दिन निकटतम} = 03.08.2014$$

© The Institute of Chartered Accountants of India

© The Institute of Chartered Accountants of India

8.

सुनील की पुस्तकों में
रोहन का चालू खाता सुनील के साथ
(30 जून, 2014 को)

दिनांक	विवरण	राशि	दिन	ब्याज	दिनांक	विवरण	राशि	दिन	ब्याज
2014					2014				
16 फरवरी	विक्रय का	6,480.00	134	237.90	1 जनवरी	शेष बी/डी से	3,010.00	181	149.26
24 मार्च	विक्रय का	3,560.00	98	95.58	7 जनवरी	क्रय से	4,430.00	174	211.18
22 जून	विक्रय का	2,280.00	8	5.00	18 फरवरी	आवक वापसी से	560.00	132	20.25
30 जून	ब्याज का शेष			107.08	22 अप्रैल	प्राप्य बिल (25 जुलाई, 2014 को परिपक्व) से	1,500.00	(25)	(10.27)*
30 जून	शेष सी/डी का	2,497.08							
					29 अप्रैल	रोकड़ से	2,500.00	62	42.47
					17 मई	क्रय से	2,710.00	44	32.67
					30 जून	ब्याज से	107.08		
		14,817.08		445.56			14,817.08		445.56
					जुलाई 1	शेष बी/डी से	2,497.08		

जब प्राप्य बिल प्राप्त हुआ तब उसको क्रेडिट किया गया लेकिन राशि परिपक्वता पर ही प्राप्त होगी। इसलिये, लेखांकन अवधि के बाद बिल पहुंचने की तारीख तक की अवधि का ब्याज ऋणात्मक राशि के रूप में दिखाया गया है।

---

* 25 जुलाई, 2014 को प्राप्य बिल की परिपक्वता राशि पर ब्याज लाल स्याही ब्याज है।

9. कुल ब्याज तथा प्रत्येक किस्त में शामिल ब्याज की गणना

किराया क्रय मूल्य (HPP) = नकद भुगतान + किस्तें

= 30,000 + 50,000 + 50,000 + 30,000 + 20,000

= 1,80,000 ₹

कुल ब्याज = 1,80,000 ₹ − 1,50,000 ₹ = 30,000 ₹

प्रत्येक वर्ष के प्रारम्भ में किराया क्रय मूल्य (HPP) अनुपात की गणना

वर्ष	एच पी पी (HPP) का प्रारम्भिक अदत्त शेष	किस्त चुकाई	अन्त में अदत्त शेष
1	1,50,000	50,000	1,00,000
2	1,00,000	50,000	50,000
3	50,000	30,000	20,000
4	20,000	20,000	

प्रत्येक वर्ष के प्रारम्भ में किराया क्रय मूल्य (HPP) का अनुपात= 15 : 10 : 5 : 2

कुल ब्याज = 30,000 ₹

प्रथम वर्ष	$=30{,}000\times\frac{15}{32}$ = 14,062 ₹
द्वितीय वर्ष	$=30{,}000\times\frac{10}{32}$ = 9,375 ₹
तृतीय वर्ष	$=30{,}000\times\frac{5}{32}$ = 4,688 (सन्निकट ₹ में)
चतुर्थ वर्ष	$=30{,}000\times\frac{2}{32}$ = 1,875 ₹

© The Institute of Chartered Accountants of India

© The Institute of Chartered Accountants of India

10. देनदार खाताबही में सामान्य बही समायोजन खाता

1.4.2013	शेष बी/डी का		480	1.4.2013	शेष बी/डी से		94,400
1.4.2013 से 31.03.2014 तक	देनदार बही समायोजन खाता का :			1.4.2013 से 31.03.2014 तक	देनदार बही समायोजन खाता से :		
	बैंक	1,16,400			विक्रय	2,24,000	
	बट्टा	1,600			प्राप्य बिल का अनादरण	3,000	
	वापसी	5,200			बेचान किये गये प्राप्य बिल का अनादरण	2,000	2,29,000
	बिल प्राप्य	40,200					
	डूबत ऋण	5,000	1,68,400	31.3.2014	शेष सी/डी से		760
	अपलिखित						
31.03.2014	शेष सी/डी का (शेष राशि)		1,55,280				
			3,24,160				3,24,160

11. (a) **आय एवं व्यय खाता**

[31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए (सारांश)]

		आय	(₹)
		चंदा (3,600 ₹ × 200 सदस्य)	7,20,000

31 मार्च, 2015 को चिट्ठा (सारांश)

दायित्व		सम्पत्ति		
अग्रिम चंदा प्राप्त	7,200	अदत्त चंदा :		
		2013-14 के लिये	3,600	
		2014-15 के लिये	21,600	25,200

कार्यशील टिप्पणी:

2014–15 के लिए देय चंदा	(3,600 × 200)	7,20,000 ₹
2014–15 के लिए प्राप्त चंदा		6,98,400 ₹
2014–15 के लिए बकाया चंदा		**21,600 ₹**

(b) **प्राप्ति एवं भुगतान खाता**

31.03.2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

	₹			₹
चंदा खाता (W.N.1) का	67,050	शेष बी/डी से (बैंक अधिविकर्ष)		15,000
दान खाता का	5,000	वेतन	19,500	
प्रवेश शुल्क खाता का	4,000	*जोड़िये* : गत वर्ष का अदत्त	1,200	
फर्नीचर खाता का	4,500	*घटाइये* : इस साल का अदत्त	(350)	20,350
(फर्नीचर का विक्रय)		किराया से	4,500	
(7,000 ₹–25,000 ₹)		*जोड़िये* : गत वर्ष का अदत्त	500	
		घटाइये : इस साल का अदत्त	(800)	4,200
		मुद्रण से		750
		बीमा से	500	
		जोड़िये : इस साल का पूर्वदत्त	150	650
		अंकेक्षण फीस से	750	
		जोड़िये : गत वर्ष का बकाया (अदत्त)	500	
		घटाइये : इस साल का अदत्त	(750)	500
		खेलकूद एवं स्पोर्ट्स से		3,500
		विविध व्यय से		14,500
		स्पोर्ट्स सामग्री (W.N.2) से		5,000
		फर्नीचर (क्रय) (W.N.3) से		8,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

		शेष सी/डी से		
		रोकड़		850
		बैंक (शेष राशि)		7,250
	80,550			80,550

कार्यशील टिप्पणियाँ:

1. **वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त चंदे की गणना**

		(₹)	(₹)
आय एवं व्यय खाते के अनुसार चंदा			68,000
घटाइये :	2014–15 का बकाया	3,700	
	2013–14 का अग्रिम	1,000	(4,700)
			63,300
जोड़िये :	2013–14 का बकाया	2,600	
	2015–16 का अग्रिम	1,500	4,100
			67,400
घटाइये : 2014–15 के दौरान अपलिखित			(350)
			67,050

2. **2014–15 के दौरान स्पोर्ट्स सामग्री के क्रय की गणना**

स्पोर्ट्स सामग्री खाता

शेष बी/डी का	25,000	आय एवं व्यय खाता से (ह्रास)	6,000
प्राप्ति एवं भुगतान खाता का (क्रय) (शेष राशि)	5,000	शेष सी/डी से	24,000
	30,000		30,000

3. **2014–15 के दौरान फर्नीचर क्रय की गणना**

फर्नीचर खाता

शेष बी/डी का	30,000	प्राप्ति एवं भुगतान खाता से	4,500
प्राप्ति एवं भुगतान खाता का (क्रय) (शेष राशि)	8,000	आय-व्यय खाता से (विक्रय पर हानि)	2,500
		आय-व्यय खाता से (ह्रास)	3,100
		शेष सी/डी से	27,900
	38,000		38,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

© The Institute of Chartered Accountants of India

12.

ए प्राइवेट लिमिटेड की पुस्तक
पेरगॉट लिमिटेड की पुस्तक में 13.5% परिवर्तनीय ऋण पत्र में विनियोग खाता
(31 मार्च एवं 30 सितम्बर में ब्याज देय)

तारीख	विवरण	अंकित	ब्याज	राशि	तारीख	विवरण	अंकित	ब्याज	राशि
2014					2014				
1 मई	बैंक का	5,00,000	5,625	5,19,375	30 सितम्बर	बैंक से		50,625	
1 अगस्त	बैंक का	2,50,000	11,250	2,45,000		(6 माह का ब्याज)			
1 अक्टूबर	लाभ-हानि खाता का			2,167	01 अक्टूबर	बैंक से	2,00,000		2,06,000
31 दिसम्बर	लाभ-हानि खाता का		52,313		31 दिसम्बर	समता अंश से	1,00,000		1,12,108
					31 दिसम्बर	बैंक से (देखिये नोट 1)		3,713	
					31 दिसम्बर	शेष सी/डी से	4,40,000	14,850	4,48,434
		7,50,000	69,188	7,66,542			7,50,000	69,188	7,66,542

नोट– (1) 31.12.2014 को परिवर्तित ऋणपत्र पर प्राप्त ब्याज 3,713 ₹ परिवर्तन करने की तिथि का ब्याज का प्रतिनिधित्व करता है।

(2) बाजार मूल्य की तुलना में लागत कम होने के कारण, ऋणपत्र के लागत मूल्य को आगे ले जाया गया है।

पी लिमिटेड के समता अंशों में विनियोग

दिनांक	विवरण	अंकित	राशि	दिनांक	विवरण	अंकित	राशि
2014				2014			
31 दिसम्बर	13.5% ऋणपत्र का	1,00,000	1,12,108	31 दिसम्बर	लाभ-हानि खाता से		22,108
					शेष आगे ले गये	1,00,000	90,000
		1,00,000	1,12,108			1,00,000	1,12,108

नोट– बाजार मूल्य की तुलना में लागत अधिक होने के कारण, अंशों का मूल्य बाजार मूल्य पर आगे ले जाया गया है।

कार्यशील टिप्पणियां :

(1) 1 मई, 2014 को 5,00,000 ₹ के क्रय पर माह अप्रैल, 2014 का ब्याज चुकाया, जो कि क्रय मूल्य का हिस्सा है :

5,00,000 ₹ × 13.5% × 1/12 = 5,625 ₹

(2) 30 सितम्बर, 2014 को प्राप्त ब्याज

5,00,000 ₹ पर = 5,00,000 × 13.5% × 1/2 = 33,750 ₹

2,50,000 ₹ पर = 2,50,000 × 13.5% × 1/2 = 16,875 ₹

कुल 50,625 ₹

(3) 1 अगस्त, 2014 को 2,50,000 ₹ के क्रय पर 1 अप्रैल, 2014 से जुलाई, 2014 तक ब्याज चुकाया जो कि क्रय मूल्य का हिस्सा है :

2,50,000 ₹ × 13.5% × 4/12 = 11,250 ₹

(4) ऋणपत्रों के विक्रय पर हानि

प्राप्त करने की लागत

(5,19,375 ₹+2,45,000 ₹) × 2,00,000 ₹ / 7,50,000 ₹ = 2,03,833 ₹

घटाइये : विक्रय मूल्य (2,000 × 103 ₹) = 2,06,000 ₹

विक्रय पर लाभ = 2,167 ₹

(5) 1,100 ऋणपत्रों पर ब्याज (जो परिवर्तित किये गये) 3 महीने के लिए अर्थात् अक्टूबर–दिसम्बर, 2014

1,10,000 × 13.5% × 3/12 = 3,713 ₹

(6) ऋणपत्रों की लागत जिनको समता अंशों में परिवर्तित किया गया

(5,19,375 ₹ + 2,45,000 ₹) × 1,10,000 ₹ / 7,50,000 ₹ = 1,12,108 ₹

(7) शेष ऋणपत्रों की लागत

(5,19,375 ₹ + 2,45,000 ₹) × 4,40,000 ₹ / 7,50,000 ₹ = 4,48,434 ₹

(8) अन्तिम ऋणपत्रों पर ब्याज आगे ले जाया गया अवधि अक्टूबर से दिसम्बर, 2014 तक (अर्जित ब्याज)

4,40,000 ₹ × 13.5% × 3/12 = 14,850 ₹

13. मिस्टर एक्स का व्यापार एवं लाभ-हानि खाता

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

विवरण	₹	विवरण	₹
प्रारम्भिक स्टॉक का	1,60,000	विक्रय से (W.N. 11)	13,71,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

क्रय का (W.N. 5)	9,12,000		अन्तिम स्टॉक से	1,40,000
घटाइये : विज्ञापन	(18,000)	8,94,000		
सकल लाभ सी/डी का		4,57,000		
		15,11,000		15,11,000
खर्चे का (W.N. 7)		3,44,000	सकल लाभ से	4,57,000
बट्टा का (W.N. 9)		32,500	बट्टा प्राप्त से (W.N. 10)	16,000
विज्ञापन का		18,000	सरकारी प्रतिभूति	
फर्नीचर पर ह्रास का		13,000	पर ब्याज से (W.N. 8)	4,000
शुद्ध लाभ का		79,500	विविध आय से	10,000
		4,87,000		4,87,000

31 मार्च, 2015 को एक्स का चिट्ठा

दायित्व	₹		सम्पत्ति	₹
पूंजी (W.N. 6)	3,76,000		फर्नीचर	1,27,000
जोड़िये : अतिरिक्त पूंजी (W.N. 2)	1,72,000		4% सरकारी प्रतिभूतियां	1,92,000
जोड़िये : वर्ष के दौरान लाभ	79,500		सरकारी प्रतिभूतियों पर अर्जित ब्याज (W.N. 8)	4,000
	6,27,500			
घटाइये : आहरण	(1,40,000)	4,87,500	देनदार (W.N. 3)	2,99,000
लेनदार		3,00,000	प्राप्य बिल (W.N. 4)	35,000
अदत्त खर्चे		36,000	स्टॉक	1,40,000
			पूर्वदत्त खर्चे	14,000
			बैंक में रोकड़	3,000
			बैंक शेष	9,500
		8,23,500		8,23,500

© The Institute of Chartered Accountants of India

कार्यशील टिप्पणियां :

1. फर्नीचर खाता

	₹		₹
शेष बी/डी का	1,20,000	ह्रास (शेष राशि) से	13,000
बैंक का	20,000	शेष सी/डी से	1,27,000
	1,40,000		1,40,000

2. रोकड़ एवं बैंक खाता

	₹		₹
शेष बी/डी का		लेनदार से	7,84,000
रोकड़	4,000	आहरण से	1,40,000
बैंक	20,000	फर्नीचर से	20,000
देनदार का	11,70,000	4% सरकारी प्रतिभूति से	1,92,000
प्राप्य बिल का	1,22,500	खर्चे से	3,50,000
विविध आय का	10,000	शेष सी/डी से	
अतिरिक्त पूंजी का (शेष राशि)		रोकड	3,000
	1,72,000	बैंक	9,500
	14,98,500		14,98,500

3. देनदार खाता

	₹		₹
शेष बी/डी का	3,20,000	रोकड़ एवं बैंक से	11,70,000
लेनदार का (प्राप्य बिल का अनादरण)	8,000	छूट से	30,000
		प्राप्य बिल से	2,00,000
विक्रय का (W.N. 11)	13,71,000	शेष सी/डी (शेष राशि)	2,99,000
	16,99,000		16,99,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

4. **प्राप्य बिल खाता**

	₹		₹
देनदार का	2,00,000	बैंक से	1,22,500
		बट्टा से	2,500
		लेनदार से	40,000
		शेष सी/डी (शेष राशि) से	35,000
	2,00,000		2,00,000

5. **लेनदार खाता**

	₹		₹
बैंक का	7,84,000	शेष बी/डी से	2,20,000
बट्टा का	16,000	देनदार (प्राप्य बिल का	8,000
प्राप्य बिल का	40,000	अनादरण) से	
शेष सी/डी का	3,00,000	क्रय (शेष राशि) से	9,12,000
	11,40,000		11,40,000

6. **1 अप्रैल, 2014 को चिट्ठा**

दायित्व	₹	सम्पत्ति	₹
लेनदार	2,20,000	फर्नीचर	1,20,000
अदत्त व्यय	40,000	देनदार	3,20,000
पूंजी (शेष राशि)	3,76,000	स्टॉक	1,60,000
		पूर्वदत्त खर्चे	12,000
		रोकड़	4,000
		बैंक शेष	20,000
	6,36,000		6,36,000

7. **वर्ष के दौरान व्यय किये गये**

	₹	₹
वर्ष के दौरान चुकाये गये व्यय		3,50,000
जोड़िये : 31.03.2015 को अदत्त खर्चे	36,000	

© The Institute of Chartered Accountants of India

31.03.2014 को पूर्वदत्त खर्चे	12,000	48,000
		3,98,000
घटाइये : 31.03.2014 को अदत्त खर्चे	40,000	
31.03.2015 को पूर्वदत्त खर्चे	14,000	(54,000)
वर्ष के दौरान व्यय किये गये		3,44,000

8. सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज

$$\left(\frac{1,92,000}{96\%} \times 4\% \times \frac{6}{12}\right) = 4,000 ₹$$

सरकारी प्रतिभूतियों पर 6 माह का ब्याज प्राप्य = 4,000 ₹

9. बट्टा दिया

		₹
देनदारों को बट्टा	$\frac{11,70,000₹ \times 2.5\%}{97.5\%}$	30,000
प्राप्य बिलों पर बट्टा	$\frac{1,22,500₹ \times 2\%}{98\%}$	2,500
		32,500

10. बट्टा प्राप्त

		₹
लेनदारों को बट्टा	$\frac{7,84,000₹ \times 2\%}{98\%}$	16,000

11. उधार विक्रय

बेचे गये माल की लागत = प्रारम्भिक स्टॉक + शुद्ध क्रय − अन्तिम स्टॉक

= 1,60,000 ₹ +(9,12,000 ₹−18,000 ₹)− 1,40,000 ₹

= 9,14,000 ₹

विक्रय मूल्य = 9,14,000 ₹ × 3/2 = 13,71,000 ₹

© The Institute of Chartered Accountants of India

14. (a) 1 अप्रैल, 2014 से 22 जनवरी, 2015 तक स्मरणार्थ व्यापार खाता

		₹		₹
प्रारम्भिक स्टॉक का		13,27,200	विक्रय से	49,17,000
क्रय का	34,82,700		स्टॉक 22 जनवरी, 2015	7,76,300
घटाइये : विज्ञापन में लिये गये माल की लागत	(1,00,000)	33,82,700	को (शेष राशि) से	
सकल लाभ का विक्रय का 20% (कार्यशील टिप्पणी)		9,83,400		
		56,93,300		56,93,300

आग लगने की तारीख को रहतिया = 7,76,300 ₹

रहतिया की हानि के दावे की गणना

आग लगने की तारीख को स्टॉक अर्थात् 22 जनवरी, 2015	7,76,300
अवशिष्ट माल का मूल्य उपेक्षा योग्य था, इसलिये स्टॉक की हानि	7,76,300

चूंकि दावे की तुलना में पॉलिसी राशि कम थी, दावे की राशि केवल पॉलिसी राशि तक सीमित होगी। इसलिये, एक्स लिमिटेड द्वारा बीमा कम्पनी पर 5,50,000 ₹ का दावा किया जायेगा।

कार्यशील टिप्पणी :

31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार खाता

	₹		₹
प्रारम्भिक स्टॉक का	9,62,200	विक्रय से	52,00,000
क्रय का	45,25,000	अन्तिम स्टॉक से	13,27,200
सकल लाभ का	10,40,000		
	65,27,200		65,27,200

विक्रय पर सकल लाभ की दर =10,40,000 / 52,00,000 × 100=20%

© The Institute of Chartered Accountants of India

(b) सकल लाभ की गणना

$$\text{सकल लाभ} = \frac{\text{शुद्ध लाभ + स्थायी खर्चे}}{\text{विक्रय}} \times 100$$

$$= \frac{45,000 + 90,000}{4,50,000} \times 100\% = 30\%$$

लाभ की हानि के लिये पॉलिसी राशि की गणना

	(₹)
गत वित्तीय वर्ष में विक्रय	4,50,000
जोड़िये : विक्रय में 25% वृद्धि	1,12,500
	5,62,500
बढ़े हुए विक्रय पर सकल लाभ (5,62,500 ₹ × 30%)	1,68,750
जोड़िये : अतिरिक्त स्थायी व्यय	30,000
पॉलिसी राशि	1,98,750

इसलिये व्यापारी को लाभ की हानि के लिये 1,98,750 ₹ की पॉलिसी लेनी चाहिये।

15. (i) लाभ-हानि समायोजन खाता*

	(₹)		(₹)
खर्चों का पहले से प्रबन्ध नहीं का (2012 से 2015 के लिए)	1,10,000	आय को शामिल नहीं किया गया से (2012 से 2015 तक के लिए)	66,000
		साझेदारों का पूंजी खाता (हानि) से	
		लौरेल	22,000
		हार्डी	22,000
	1,10,000		1,10,000

* यह माना गया है कि पहले के वर्षों में खर्चे तथा आय को ध्यान में नहीं रखा गया है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ii) साझेदारों के पूंजी खाते

	लौरेल	हार्डी	चैपलिन		लौरेल	हार्डी	चैपलिन
लाभ-हानि समायोजन खाता	22,000	22,000		शेष बी/डी से	2,11,500	1,51,500	
हार्डी का	60,000			लौरेल से	–	60,000	–
शेष सी/डी का	1,29,500	1,89,500	63,800	रोकड़ से	–	–	63,800
	2,11,500	2,11,500	63,800		2,11,500	2,11,500	63,800
				शेष बी/डी से	1,29,500	1,89,500	63,800

(iii) एल एच एण्ड कम्पनी का चिट्ठा
1.4.2015 को
(चैपलीन के प्रवेश के बाद)

दायित्व	₹	सम्पत्ति	₹
पूंजी खाते :		प्लाण्ट एवं मशीनरी	60,000
लौरेल	1,29,500	व्यापारिक प्राप्य	2,05,000
हार्डी	1,89,500	व्यापार में स्टॉक	3,10,000
चैपलिन	63,800	अर्जित आय	66,000
व्यापारिक देय	2,27,000	हस्तस्थ रोकड़ (10,000 + 63,800)	73,800
अदत्त व्यय	1,10,000	बैंक में रोकड़	5,000
	7,19,800		7,19,800

कार्यशील टिप्पणियां :

1. **साझेदारों में लाभ-हानि विभाजन की गणना**

		(₹)
समाप्त होने वाले वर्ष के लिये लाभ	31.03.2012	1,40,000
	31.03.2013	2,60,000
	31.03.2014	3,20,000
	31.03.2015	3,60,000
कुल लाभ		10,80,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

	लौरेल	हार्डी	कुल
	₹	₹	₹
पुराने लाभ अनुपात में विभाजन अर्थात् 5 : 4	6,00,000	4,80,000	10,80,000
नये अनुपात में लाभ विभाजन होगा अर्थात् 1 : 1	5,40,000	5,40,000	10,80,000
आधिक्य का हिस्सा	60,000		
कमी का हिस्सा		(60,000)	

लौरेल को 60,000 ₹ से डेबिट किया जायेगा तथा हार्डी को 60,000 ₹ से क्रेडिट किया जायेगा।

2. चैपलिन द्वारा पूंजी लायी जायेगी

	(₹)
चैपलिन लौरेल तथा हार्डी की संयुक्त पूंजी के 20% के बराबर पूंजी लायेगा :	
लौरेल की पूंजी (2,11,500 – 22,000 – 60,000)	1,29,500
हार्डी की पूंजी (1,51,500 – 22,000 + 60,000)	1,89,500
संयुक्त पूंजी	3,19,500
संयुक्त पूंजी के 20% हिस्से के बराबर चैपलिन लायेगा (3,19,000 ₹ का 20%)	63,800

16. प्रस्ताव का मूल्यांकन किया जायेगा तथा विक्रेता का निम्न आधारों को ध्यान में रखते हुए चुनाव करेंगे :

(i) दी जाने वाली सेवा की मात्रा तथा क्या वह अस्पताल की आवश्यकता के अनुरूप है।

(ii) विक्रेता की पृष्ठभूमि तथा ख्याति।

(iii) विभिन्न प्रस्तावों की तुलनात्मक लागत।

(iv) विक्रेता का संगठनात्मक ढांचा विशेषकर बिना अत्यधिक देरी के सेवा प्राप्त करने के लिये तकनीकी स्टॉफ।

(v) क्वालिटी, विश्वसनीयता तथा गोपनीयता का सुनिश्चय।

(vi) समंक संग्रह तथा प्रक्रियांकन की सुविधा।

17. (a) कम्पनी (लेखा मानक) नियम, 2006 के नियम 5 के अनुसार, एक वर्तमान कम्पनी जो पहले एसएमसी (SMC) नहीं थी अब एसएमसी (SMC) बन गई। उपलब्ध

© The Institute of Chartered Accountants of India

लेखा मानक के सम्बन्ध में छूट या शिथिलता प्राप्त करने के लिये एसएमसी योग्य नहीं होगी जब तक कि कम्पनी दो लगातार लेखा अवधि तक एसएमसी नहीं रहती है। इसलिये, कम्पनी का प्रबन्ध 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए एसएमसी के सम्बन्ध में उपलब्ध छूट को प्राप्त नहीं कर सकता।

(b) कार्यशील टिप्पणियां:

कच्ची सामग्री एक्स	**₹**
लागत मूल्य	200
घटाइये : सेनवैट (Cenvat) क्रेडिट	(10)
	190
जोड़िये : आवक गाड़ी भाड़ा	20
उतारने का खर्चा	10
लागत	220
निर्मित माल वाई	
सामग्री का उपभोग	220
प्रत्यक्ष श्रम	60
प्रत्यक्ष उपरिव्यय	40
स्थायी उपरिव्यय (2,00,000 ₹ / 20,000 इकाइयाँ)	10
लागत	330

यदि निर्मित माल वाई का शुद्ध वसूली मूल्य 400 ₹ है।

शुद्ध वसूली मूल्य (NRV) निर्मित माल वाई की लागत अर्थात् 330 ₹ से ज्यादा है। इसलिये, कच्ची सामग्री तथा निर्मित माल का मूल्यांकन लागत पर किया जायेगा।

अन्तिम स्टॉक का मूल्य :

	मात्रा	**दर**	**राशि (₹)**
कच्ची सामग्री एक्स	500	220	1,10,000
निर्मित माल वाई	1,200	330	3,96,000
अन्तिम स्टॉक की कुल लागत			5,06,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

18. (a) मूल मशीन पर ह्रास

		₹
01.04.2010 को मशीन की मूल लागत		4,00,000
घटाइये : अवशिष्ट मूल्य 10%		(40,000)
ह्रासयोग्य मूल्य		3,60,000
उपयोगी जीवन	10 वर्ष	
प्रति वर्ष ह्रास		36,000
तीन वर्ष का ह्रास		1,08,000
4वें वर्ष के प्रारम्भ में क्रमागत ह्रास मूल्य (WDV) (1.4.2013 को) (4,00,000 ₹–1,08,000 ₹)		2,92,000
जोड़िये : पुनर्मूल्यांकन		90,000
पुनर्मूल्यांकन के बाद कुल पुस्तक मूल्य		3,82,000
पुनर्मूल्यांकन का उपयोगी जीवन	9 वर्ष	
2013–14 से प्रति वर्ष ह्रास		42,444

जोड़ी गयी सम्पत्ति पर ह्रास

01.04.2013 को जोड़ी गयी सम्पत्ति की लागत		1,80,000
उपयोगी जीवन	10 वर्ष	
2013–14 से प्रति वर्ष ह्रास		18,000

वर्ष 2013–14 का ह्रास

(i) **यदि जोड़ी गयी सम्पत्ति का पृथक अस्तित्व हो**

मूल मशीन का ह्रास	42,444
जोड़ी गयी सम्पत्ति पर ह्रास	18,000
2013–14 का कुल ह्रास	60,444

(ii) **यदि जोड़ा गया हिस्सा सम्पत्ति का एकीकृत हिस्सा हो**

01.04.2013 को मशीन का कुल मूल्य	
मूल मशीन की पुनर्मूल्यांकित लागत (W.N. 1)	3,82,000
जोड़ी गयी सम्पत्ति की लागत	1,80,000
	5,62,000
उपयोगी जीवन	9 वर्ष
2013–14 के लिए ह्रास	62,444

© The Institute of Chartered Accountants of India

नोट : यद्यपि, चौथे वर्ष के प्रारम्भ में मशीन का बढ़ा हुआ पुनर्मूल्यांकन तथा शेष उपयोगी जीवन का पुनःनिर्धारण किया गया। इसका तात्पर्य है कि तीसरे वर्ष के लिए ह्रास की गणना पुरानी गणना के आधार पर तथा शेष उपयोगी जीवन 9 वर्ष की गणना चौथे वर्ष के प्रारम्भ या उसके बाद से की गई है।

(b) **मशीन खाता**

दिनांक	विवरण	(₹)	दिनांक	विवरण	(₹)
01.04.2009	बैंक का	1,00,000	31.03.2010	ह्रास से	10,000
				शेष सी/डी से	90,000
		1,00,000			1,00,000
01.04.2010	शेष बी/डी का	90,000	31.03.2011	ह्रास से	21,250
01.07.2010	बैंक का	1,50,000		शेष सी/डी से	2,18,750
		2,40,000			2,40,000
01.04.2011	शेष बी/डी का	2,18,750	31.03.2012	ह्रास से	35,000
01.10.2011	बैंक का	2,00,000		शेष सी/डी से	3,83,750
		4,18,750			4,18,750
01.04.2012	शेष बी/डी का	3,83,750	31.12.2012	बैंक से	1,25,000
31.12.2012	विक्रय पर लाभ	12,500	31.03.2013	ह्रास से	41,250
				शेष सी/डी से	2,30,000
		3,96,250			3,96,250
01.04.2013	शेष बी/डी का	2,30,000	31.03.2014	लाभ-हानि खाता से	33,300
				ह्रास से (1,96,700 × 15%)	29,505
				शेष सी/डी से	1,67,195
		2,30,000			2,30,000
01.04.2014	शेष बी/डी का	1,67,195			

© The Institute of Chartered Accountants of India

कार्यशील टिप्पणी : पुरानी विधि के आधार पर ह्रास चार्ज किया गया

विवरण		
प्रथम मशीन का क्रय	1,00,000	
4 वर्ष का ह्रास (1,00,000 × 10% × 4)		40,000
तीसरी मशीन का क्रय	2,00,000	
1.5 वर्ष का ह्रास (2,00,000 × 10% × 1.5)		30,000
कुल ह्रास चार्ज		70,000

कार्यशील टिप्पणी : नई विधि के अन्तर्गत चार्ज किया जाने वाला ह्रास

वर्ष	प्रारम्भिक अपलिखित मूल्य (WDV)	क्रय	शेष	ह्रास	अन्तिम अपलिखित मूल्य (WDV)
2009–2010	-	1,00,000	1,00,000	15,000	85,000
2010–2011	85,000	–	85,000	12,750	72,750
2011–12	72,750	2,00,000	2,72,750	40,838	2,31,412
2012–13	2,31,412	–	2,31,412	34,712	1,96,700
	कुल ह्रास			1,03,300	

19 (a) 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए भविष्य में होने वाली हानि की गणना (लेखा मानक 7 के अनुसार ''निर्माणी ठेका'')

	लाख (₹ में)
31 मार्च, 2015 तक खर्च की गई लागत	83.99
कार्य पूर्ण करने के लिये अतिरिक्त मितव्ययी अनुमान	36.01
निर्माण की कुल लागत	120.00
घटाइये : ठेका मूल्य	(108.00)
भविष्य में होने वाली अनुमानित हानि	12.00

लेखा मानक (AS 7) (संशोधित 2002)''निर्माणी ठेका'' के पैरा 35 के अनुसार जब यह संभावित हो कि ठेके की लागत ठेके की आय की तुलना में ज्यादा होगी, तब संभावित हानि को तुरन्त खर्चे के रूप में मान्यता देनी चाहिये। इसलिये, 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए सम्पत कंस्ट्रक्शन कम्पनी की पुस्तकों में 12 लाख ₹ अपेक्षित है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(b) चालू लेखा अवधि 2013–14 में संशोधित मूल्य का प्रभाव था। इसके परिणामस्वरूप, जनवरी 2014 से 31 मार्च, 2014 तक के विक्रय पर कम्पनी को ग्राहकों से 15 लाख ₹ प्राप्त होंगे। यदि कम्पनी अन्तिम रूप से वसूली का निर्धारण युक्तिपूर्वक निश्चितता के साथ करती है तो लेखा मानक (AS) 9 के पैरा 10 द्वारा 2013–14 में संशोधित विक्रय मूल्य के परिणामस्वरूप प्राप्त अतिरिक्त आय के रूप में मान्यता दी जायेगी।

20 (a) भूमि क्रय की लागत की गणना

		लाख (₹ में)
भूमि की लागत		5,00,000
कानूनी व्यय		25,000
स्वामित्व का बीमा		10,000
तोड़ने की लागत	50,000	
घटाइये : अवशिष्ट माल का मूल्य	(10,000)	40,000
सम्पत्ति की लागत		5,75,000

(b) एक्स लिमिटेड ने वाई लिमिटेड के समता अंशों में 600 लाख ₹ का विनियोग किया। उसमें से, कम्पनी का इरादा 50% अंश अर्थात् 300 लाख ₹ दीर्घकालीन अवधि के लिए तथा शेष अर्थात् 300 लाख ₹ अस्थायी (चालू) विनियोग के रूप में है। बिना तथ्य को ध्यान मे रखते हुए, एक्स लिमिटेड द्वारा विनियोग केवल तीन महीने (01.01.2015 से 31.03.2015) तक रखा गया। लेखा मानक 13 दीर्घकालीन या चालू विनियोग के विभाजन पर जोर देता है यद्यपि उपलब्ध दीर्घकालीन विनियोग विक्रय योग्य होते हैं।

दी हुई परिस्थिति में, 31.03.2015 को सभी विनियोग का वसूली मूल्य 200 लाख ₹ हो गया अर्थात् 100 लाख ₹ चालू विनियोग से सम्बन्धित तथा 100 लाख ₹ दीर्घकालीन विनियोग से सम्बन्धित है।

लेखा मानक (AS) 13 ''विनियोग का लेखांकन'' के अनुसार चालू विनियोग का लागत मूल्य तथा उचित मूल्य, जो भी कम हो के आधार पर आगे ले जाना चाहिये। चालू विनियोग जिनका बाजार उपलब्ध है के सम्बन्ध में, सामान्यतः बाजार मूल्य उचित मूल्य का सर्वोत्तम प्रमाण देता है।

इसके अनुरूप, चालू विनियोग का वसूली मूल्य अर्थात् 100 लाख ₹ दिखाना चाहिये। चालू विनियोग के मूल्य में कमी की राशि अर्थात् 200 लाख ₹ को लाभ-हानि खाते में शामिल करना चाहिये।

मानक आगे बताते हैं कि दीर्घकालीन विनियोग को लागत मूल्य पर आगे ले जाना चाहिये। यद्यपि, अस्थायी के अलावा दीर्घकालीन विनियोग के मूल्य में कमी आती है, तो कमी को मान्यता देने के लिये राशि कम करके आगे ले जानी चाहिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

यहां वाई लिमिटेड कॉपीराइट का अधिकार खो चुका हे जिससे उसके हिस्से के वसूली मूल्य में 1/3 तक कमी होगी जो कि महत्वपूर्ण राशि है। कॉपीराइट का नुकसान दीर्घकाल में व्यापार तथा उसकी कार्यप्रणाली को प्रभावित करेगा। इसके अनुसार, यह उचित होगा कि दीर्घकालीन विनियोग का मूल्य 20* लाख ₹ कम करके, विनियोग को 100 लाख ₹ दिखाना है। अस्थायी के अलावा मूल्य में कमी को ध्यान रखते हुए कम करना है। दीर्घकालीन विनियोग के मूल्य में कमी अर्थात् 200 लाख ₹ को लाभ-हानि खाते में शामिल करना चाहिये।

---

* यदि यह माना जाये कि दीर्घकालीन विनियोग में कमी अस्थायी है तथा सरकारी निर्णय के खिलाफ मजबूत तर्कों के साथ दावा करके, वाई लिमिटेड उस कमी से ऊपर आ जायेगी। इस परिस्थिति में, दीर्घकालीन विनियोग को लागत मूल्य पर दिखाना चाहिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

मई, 2015 की इण्टरमीडिएट (IPC) परीक्षा के लिए उद्घोषणाओं/विधायी संशोधनों/परिपत्रों आदि की प्रयोज्यता

प्रश्नपत्र 1 : लेखांकन
(Paper 1 : Accounting)

लेखांकन मानक :

AS	1	:	लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण
AS	2	:	इन्वेंटरीज का मूल्यांकन
AS	3	:	रोकड़ प्रवाह विवरण
AS	6	:	ह्रास लेखांकन
AS	7	:	विनिर्माण अनुबन्ध (2002 में पुनरीक्षित)
AS	9	:	आय की मान्यता
AS	10	:	स्थायी सम्पत्तियों का लेखांकन
AS	13	:	निवेशों का लेखांकन
AS	14	:	संविलयन लेखांकन

प्रयोज्यता सम्बन्धी टिप्पणी : कम्पनी अधिनियम, 2013 की 30 सितम्बर, 2014 तक अधिसूचित धाराएं मई 2015 परीक्षा में लागू रहेगी और अन्य विधायी संशोधनों जिनमें शामिल हैं अधिसूचनाएं/परिपत्र/नियम/नियामक प्राधिकरण द्वारा निर्गमित मार्गदर्शन के लिए कट-ऑफ तिथि 31 अक्टूबर, 2014 है।

मई, 2015 परीक्षा में Ind ASs लागू नहीं हैं : MCA ने अपनी वेबसाइट पर 35 भारतीय लेखांकन मानकों (Ind ASs) को प्रदर्शित किया हुआ है जिसकी प्रभावी तिथि नहीं है। विद्यार्थी ध्यान रखें कि ये Ind ASs मई 2015 की परीक्षा में लागू नहीं हैं।

प्रश्न-पत्र 2 : व्यावसायिक विधान, आचार नीतियां एवं सम्प्रेषण
(Paper 2 : Business Laws, Ethics and communication)

(i) **कम्पनी अधिनियम, 2013** : 30 सितम्बर, 2014 तक MCA द्वारा अधिसूचित धाराएं 1 से 122 तक मई, 2015 परीक्षा में लागू रहेंगी, निम्नांकित धाराओं को छोड़कर :

कपट के लिए क्षति u/s 75 अंशधारियों के अधिकार में विचरण u/s 48, अंशपूंजी में कमी u/s 66, ट्रिब्यूनल की AGM बुलाने की शक्ति u/s 97, सदस्यों आदि की सभा बुलाने की ट्रिब्यूनल की शक्ति u/s 98 एवं धारा 96 से 98 तक अनुपालना में त्रुटि पर सजाएं 4/5 99

अन्य विधायी संशोधनों के लिए जिसमें शामिल हैं प्रासंगिक अधिसूचनाएं/परिश्रमी/नियम/नियामक प्राधिकरण द्वारा निर्गमित मार्गदर्शन के लिए कट–ऑफ तिथि 31 अक्टूबर, 2014 है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ii) कर्मचारी भविष्य निधि कोष एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 :

1. कर्मचारी जमा आधारित बीमा (संशोधन) योजना, 2014
2. कर्मचारी पेन्शन (संशोधन) योजना, 2014

प्रश्नपत्र 4 : कराधान
(Paper 4 : Taxation)

वित्त अधिनियम, कर–निर्धारण वर्ष आदि की मई, 2015 की परीक्षा के लिए प्रयोज्यता

वित्त (सं. 2) अधिनियम, 2014 द्वारा संशोधित आयकर एवं अप्रत्यक्षकर सम्बन्धी प्रावधान और 31 अक्टूबर, 2014 तक निर्गमित परिपत्र/अधिसूचनाएं मई, 2015 की परीक्षा में लागू हैं। प्रासंगिक कर–निर्धारण वर्ष 2015-16 है।

© The Institute of Chartered Accountants of India